



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 407] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 22, 1977/भाद्र 31, 1899

No. 407] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 22, 1977/BHADRA 31, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd September 1977

S.O. 679(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 545(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that:—

(a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertaking known as Messrs Sen Raleigh Limited, Calcutta; and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it immediately before the date of publication of that Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 633(E)/18FB/IDRA/76, dated the 24th September, 1976, the duration of the said Order was extended upto the 26th September, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 26th September, 1978.

[No. F. 2/21/75-CUC]

G. N. MEHRA, Jt. Secy

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 सितम्बर 1977

का० आ० 679(अ)/18 च ख/उ० वि० वि० अ०/77.—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 545(अ)/18-एफ बी०/आई०डी०आर०ए०/75, तारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें आगे उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा की थी कि—

(क) उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियमितियाँ मैसर्स सेन रेले लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से, ज्ञात औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी।

(ख) सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का, जो प्रवृत्त हैं, प्रवर्तन, जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व लागू हों और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकारी, विधेयाधिकारी बाध्यताएं और दायित्व 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेंगे।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 633(अ)/18 च ख/उ० वि० वि० अ०/76 तारीख 24 सितम्बर, 1976 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर, 1977 तक के लिए बढ़ा दी गई है,

और केन्द्रीय सरकार को समाधान हो गया है कि निलम्बन आदेश की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर 1978 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिए और बढ़ाती है।

[सं० फा० 2 21/75-सी०यू०सी०]

जी० एन० मेहरा, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा

मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977